Impressions

Mulpatarolan Times

SACT 2011

AB

Mulyavardhan on everyone's mind!

10 support in two interview protecting (N and Casadi, Tar interview) between, summarized the indefaustion and the indefaustion of the indefaustion of outers more Equip, memory and the indefaustion of the indefaustion of the interview of the indefaustion of the indefaustion of the indefaustion of the interview of the indefaustion of the indefaustion of the interview of 2015 Indefaust (One on the indefaustion of the indefaustion interview of the indefaustion of

Metananhan (M) too na hoost Mindow (Mindow, Takana Mindow, Mindow, Takana Mindow, Mindow, Takana Mindow, Mindo

books existences of agains on the same pairs. The largest parties of conserver are not plot parties inspectramation, impact on the same server of high inspect of the sources scaling and instantized in the same server of high inspect of the sources scaling and instantized in the same server is the same server of the sources scaling and instantized in the same server is the same server is the same server is source and instantized in the same server is not server in the same server is the same server is the same server is not preserver in the boost in the same server is the same server is the same is the same server is the same server is the same server is the same is the same server is the same server is the same server is the same is the same server is the same server is the same server is the same is the same server is the same server is the same server is the same is the same server is the same server is the same server is the same is the same server is the same serv

The pregnance has been up the pair density and their manufile. Some a neural and analysed is the Gaussian and their manufiles are been applied on the period of the historichies and Gaussian and the Some 2000 Charles in our opened of some historichies and compared some manue man 1.37 with the period

educed and data data to implement in 00,000 working (Class a test series) data transition of the constraints in all scheme experience for the test data. The series is a scheme experience of the constraints of the series is a scheme experience of the series of the seri

Application of an annual second secon





We are moving, and moving faster.

Mulyavardhan is a school based value education program developed by Shantilal Muttha Foundation (SMF) to provide child friendly, value based education & environment to nurture caring, responsible and democratic citizens.

Mulyavardhan has been accepted, owned and implemented by the Government of Maharashtra (GoM) and Govt. of Goa (GoG). It is being implemented in nearly 20,000 Govt. primary schools in Maharashtra and Goa. SMF has been providing technical support for both the projects.

We are able to thus engage all the Lilla Parishad teachers across the state through capacity building programmes, to imbibe democratic values among the students through experiential learning in a collaborative manner. There is strength in numbers, and we surely take immense pride in it. But the objective is not just ten lakh children, but to reach out to all children in India. We see immense potential & wish to tap into it by developing a positive mindset by early intervention, which shall propel them to think of country first. There also is a tremendous response from stakeholders, i.e. govt. officials, teachers, children, parents and the larger community to this initiative.

This tiny piece is a collection of a few responses from various stakeholders. We sincerely hope, this only strengthens your and our faith in the programme and we reach out to every child.

MULYAVARD

16.09.17 | Dainik Bhaskar | Nagpur |

सहानगर

दैनिक भारकर

नामपुर. शनिवार, १६ सितंबर २०१७

18





शिक्षा विभाग ने शालाओं में चलाया मूल्यवर्धन कार्यक्रम

कार्यक्रम के उद्घाटन के अवसर पर दी। समारोह में बतौर प्रमुख अतिथि सुनील महाजन, तहसील अध्यक्ष, केंद्र प्रमुख सचिन, सोनारे व तहसील के सभी प्रेरक तथा साधन व्यक्ति ठाकरे उपस्थित थे। संचलन ताले सर ने एथं आभार दिनेश ठाकरे ने माना। प्रस्तावना महादेव वनवे ने रखी। पश्चात सचिन व सोनारे ने कार्यक्रम का प्रत्यक्ष प्रशिक्षण कर दिखाया। मुल्यकार्यन कार्यक्रम का म्तृत्व तहसील समन्वयक एम.एम. वनवे करेंगे।

जैसे 7 जिला परिषद शिक्षा केंद्र में मुल्यवर्धन कार्यक्रम लिया जा रहा है। इन सभी केंद्र की दो शालाओं व एक केंद्र प्रमुख का चयन किया गया है। कार्यक्रम का पहला चरण समाप्त होने के पश्चात दूसरे चरण में तहसील की संपूर्ण जिला परिषद की शालाओं में कार्यक्रम चलाया जाएगा। ऐसी जानकारी गट शिक्षा अधिकारी रमेश गेडाम तथा शिक्षा विस्तार अधिकारी कश्यप सावस्कर ने जिला परिषद उच्च प्राथमिक शाला, येरखेडा में

ब्यूरो कम्मठी/कन्छन

स्कूली विद्यार्थियों को अच्छी आदत, उनका आत्मविश्वास बढ़ाने और अच्छी शिक्षा दिलाने के उद्देश्य को लेकर शिक्षा विभाग की ओर से 13 से 16 सितंबर तक शालाओं में मूल्यवर्धन कार्यक्रम चलाया जा रहा है। कार्यक्रम के तहत कामठी पंचायत समिति अंतर्गत अने वाले वड़ोदा, भूगांव, महालगांव, टेम्सना, येरखेडा, खसाला, काराडी

iam, Venezuela or wanth is granter than the whole of the real estate property and of a ats in any of these states | wos

16.09.17 | Dainik Navbharat | Dhule |

मूल्यशिक्षा कार्यक्रम सम्पन्न

Harit. The hand painted, guig thread

के सभी सोलह जिला परिपद को केंद्र शाला

एवं तस हर केंद्र शाला के दो शिवकों को

प्रशिथित किया जा रहा है। यह शिशक दो माह

हिए गए मूल्यों पर आधारित उपक्रमों द्वारा कक्षा

पहली से चौथी के विद्याधियों को संस्कार तेंग।

प्रशिक्षणाधियों को अपना समय न खोते

हुए मन से प्रशिक्षण ग्रहण किया। प्रशिक्षणाधी

चंपालाल पारिल ने किया।

मनोज पारित ने अपने मनोगत में कहा, मुझे

यहां से जो ज्ञान मिला, यह मेरे स्कूल में जाकर

0.005 8.500 1,000 11,000 0.005 7,300 7.800

\$246,000

144.20

- 10

ing are 3 wpart, R. Carol II ITAM ATT 44. 44

COLUMN 2 100 24 8 में विद्यार्थियों को दूंगा, प्रशिक्षणार्थी सतीश

भुजवल, प्रशिधक दिलीप माली, कार्यक्रम के अध्यक्ष प्रा. सी ही. खुगा ने मनोगत व्यक्त किए। सूत्र संचालन नितिन सास्के एवं आभार

The ballast sprin

the largest individual expreusy in the republic of Montor

संताददाता | सिंदर्खेडा

तक अपने-अपने केंद्र शाला में संविधान हारा मुल्यमिथा शिक्षण के प्रशिधक जगन वाढिले ने कहा, में घर, शाला एवं समाज को ओर मुल्यशिक्षा की नजर से ही देखता है। यहां के किसान हाईस्कृल में चार दिवसीय मुल्यवर्धन शिक्षण प्रशिक्षण समापन समारोह में व्याङिले समापन समारोह कार्यक्रम की अध्यक्षता बोल रहेथे। मुल्यवर्भन शिश्रा समिति के तहसील अम्यश ग्रा. सी. ही. हागा ने को है। कार्यक्रम का प्रस्ताविक जिला समन्वयक एस. गी. निकुंभे ने किया। सोमवार, 25 सितंबर से मूल्यवर्धन शिक्षा का प्रशिक्षण महाराष्ट्र शासन एवं शांतिलाल मुथा फाउंडेरान को ओर से तहसील

of swords and lances.

Annual Annual Annual Annual Annual

27.09.17 | Lokmat | Chandrapur |

लोकमत समाचार

बल्लारपुर तहसील के छात्रों को पढ़ाया जाएगा नैतिकता का पाठ

चंद्रपुर। २७ सितंबर। लोस

चंद्रपुर जिला परिषद और शांतिलाल मुथा फाउंडेश्न पुणे की ओर से नैतिकता पर उपक्रम चलाया जा रहा है. जिसके लिए बल्लारपुर तहसील को दत्तक लिया गया है. इस उपक्रम के लिए शिक्षकों को प्रशिक्षण देने हेतु मुथा फाउंडेशन ने जिला परिषद स्कूल बामणी में तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया.

कार्यक्रम में वल्लारपुर के विस्तार अधिकारी (शिक्षा) वर्षा फुलझेले, शांतिलाल मुधा फाउंडेशन चंद्रपुर के जिलाध्यक्ष अशोक संघवी, जिला कार्यकारिणी सदस्य जितेन्द्र चोरडिया, अभिषेक कास्टीया, वल्तारपुर के संजय गुप्ता, आशी, मोहता व डॉ. तोटमभुधा फाउंडेशन के समन्वयक संजय गुलवे प्रमुख अतिथि के रूप में उपस्थित थे. मुध्य फाउंडेशन पुणे के ट्रेनर मास्टर सुनील चौधरी ने स्कली वातावरण में



शांतिलाल मुथा फाउंडेशन के पदाधिकारी तथा जिला परिषद के शिक्षक.

विद्यार्थियों को नैतिकता का पाठ कैसे पढ़ाएं, माता-पिता, शिक्षक व बड़ों का आदर कैसे करें? जीवन की बुरी आदतों का आकलन कैसे करें? पर विस्तार से मार्गदर्शन किया.

उपशिक्षणाधिकारी काले व शिक्षा विस्तार अधिकारी कुलझेले ने विद्यार्थियों में गिरती नैतिकता पर चिंता जताते हुए इस तरह के प्रशिक्षण की आवश्यकता बताई. उन्होंने बल्लारपुर तहसील की तरह पूरे जिले को दत्तक लेकर सभी जिला परिषद स्कूलों में नैतिकता का पाठ पढ़ाने का आह्वान किया. अशोक संघयी ने कहा कि आजकल नैतिकता खत्म होती जा रही है. जिसकी वजह से संस्था ने यह उपक्रम शुरू किया है. आज से 15 वर्ष वाद हर नागरिक के कर्तव्यनिष्ठ दिखने की उम्मीद उन्होंने व्यक्त की.



17.11.16 अमरावतीभारकर

15 face day of

structure analysis sufficient span she was needford all spirat को राजपेत पुलिस बरेशन के पास र्गाया प्रमास भाषा से पर-पीषा an serier fang men me wauffear it sately des simps in संस्थानक स्वीतरवात सुध्द ने बताया he rations that it from grants of another former and some and all agrant fare of \$1 years to ficate these at sect these गालेग पहले के स्वाद स्वाद मान्यवर्धन विषय प्रयुत्ते पर भी और देवा भाहित्यः) इत्यके अवन्यत्वा भारतीत्व क्षेत्र संगाहन की ओर में मुगाने जेलास्टर बहाने के लिहाज से मुरूद अवस्तील में महत्रकाओं के लेकर की

राज्य में मूल्यवर्धन शिक्षा पर दिया जा रहा जोर कर तहसील में मुंगई जलस्तर बढ़ाने के लिए महत्वकांक्षी प्रोजेवट की संकल्पना

startig for all of \$1 per र्राव्याप्रमा की मूली कार हैने के लिया विदर्भ भी माले प्रावर्धपालां से भेज गर मामिलती की प्रतिक्रित farm 20 101 \$ afte prefit terribe 24 spine meters with all within us a post to spoonly firms its chain. it surrou for the

Daily in fame where we soo बच्चली में ३० हाला चारा पूल्य लिएक अब पात पत्र रहे है। पतां पत आग एपक्रम राज्यत्र प्रतिका हो गहा है। प्रदेश प्रजाहन प्रस्ताव 2005 व 1992 10.512 PR 10.512 PR 10.51 sample from schware schidwoor 2003 is mit shadfan upo रबानी के महण्डल में बांच्ये जह

rafemir un faran færar om var be pre uppane it meritanelt alle is hearing stanted to be मुल्यांचल हिन्दा है। इस मल्पीक्रम को अवयल में अनने के बाद स्वीतिज्ञान the weither with मान्यपूर्वन अब नया प्रत्यूच यूर्व 2015 में लेकर किन्द्र गया। सर्वित्राल मुच्छ पर्वतेलन व

मुल्कामंत्र कार्यक्रम राज्य सारकार the lense is freque then not uting yoing from firster wit fents fields' newly and not queques andas non man nt et mar bi generie ardam बह त्यान प्रायोगिक ताल पर गण्य के as find it as had it man अग्रेकाले १३०२ स्वूल्डी में प्राणमा जा मार्ग है। 730 म्यूओ के 380 15 une sprophie first us van ve th bi find if så spinnels up? पहाने के हिंसा संपत्रन की और थे प्रमास हिन्दु आहंगे। इनके, अवनाव and make a second ago it first stimpt ing bur face जाताः पर-प्रेक्त में राष्ट्रीय रायाच्या प्रमुल पारख, गण्म अध्याप सहरमंत्र केन, आगर गांधी प्रतीप केन

25.09.17 | Chandrapur |

Ballarpur taluka teachers attend training programme

II Chandrapur Bureau

CHANDRAPUR, Sept 25

A VALORISATION Programme was recently organised under the joint auspices of Chandrapur Zilla Parishad and Shantilal Muttha Foundation, Pune and Ballarpur taluka has been adopted under the programme.

The three-day programme was organised for teachers trainers under the guidance of Sunil Choudhary, trainer master of Shantilal Muttha Foundation, Pune, at Zilla Parishad School, Bamni in Ballarpur. The training concluded in the chief presence of Kale, Deputy Education Officer.

Varsha Fulzele, Extension Officer (Ballarpur), Ashok Sanghavi, District President of Shantilal Muttha Foundation, Jitendra Chordiya, Member of District Executive Body, Abhishekh Kansthiya, Sanjay Gupta (Ballarpur), Ashish Mohta, Dr Totam, and Sanjay Gulve, Coordinator of Shantilal Muttha Foundation were present on the occasion.

Sunil Choudhary guided the participants on how to inculcate values and virtues among students, told them to be respectful towards the elders and also told them how to comprehend vices in life.

Speaking on the occasion, Extension Officer Kale said that the values in the society were decreasing and therefore there was a need of valorisation programme. The programme is useful for developing hidden talents of students, he mentioned. Kale also hope that the netire Chandrapur district gets covered under the programme.

Varsha Fulzele also hailed the idea behidn the programe.

Ashok Sanghavi said that the country was on its way to progress. We have developed technically but the moral values in the society have disappeared and therefore with an allround development of the country along with valorization, the innovative Valoriaation Programme is very useful, he pointed out.

All the office-bearers and members of Shantilal Muttha Foundation extended their assistance for the successful organization of the training programe. Chindalwar conducted the proceedings.

26.09.17 Divya Marathi | Osmanabad |

भूम येथे मूल्यवर्धन कार्यक्रमाच्या प्रशिक्षण केंद्राचे उद्घाटन झाले.

दिल्यें मराठी

मूल्यवर्धन कार्यक्रमाच्या प्रशिक्षण केंद्राचे उद्घाटन

भूम | तालुक्यात शांतीलाल मुथा फाउंडेशन व महाराष्ट्र शासनाचे विद्या प्राधिकरण यांच्या संयुक्त विद्यमाने रावविण्यात येत असलेल्या मूल्यवर्धन कार्यक्रमाच्या प्रशिक्षण केंद्राचे उद्घाटन गटशिक्षण अधिकारी शिवाजी जाधव यांच्या हस्ते करण्यात आले. यावेळी कार्यक्रमाच्या अध्यक्षस्थानी शिवाजी जाधव होते. यावेळी मुथा फाउंडेशनचे

तालुकाध्यक्ष सुनोलकुमार डुंगरवाल, विस्तार अधिकारी बन उपस्थित होते. बालाजी शिके यांनी सुत्रसंचालन केले. विस्तारअधिकारी भारत वन यांनी आभार मानले. यावेळी योगेंद्र खराडे, तालुका समन्वयक लता सातपुते, प्रशिक्षक अश्विनी गिते, संध्या सावत यांच्यासह सर्व केंद्रप्रमुख शिक्षक उपस्थित होते.

26-Sep-2017 उस्मानाबाद जिल्हा

17.09.17 | Tarun Bharat | Nagpur

प्रशिक्षणातूनच घडतील विद्यार्थी

- मुख्याध्यापक राजेश खांडेकर यांचे प्रतिपादन
- वाडीत मूल्यवर्धन कार्यशाळा

वाडी, १६ सप्टेंबर 🐲

पिपला येथे निवासी मूकवधिर विद्यालपात चार दिवसीय तालुका स्तरीय मूल्पवर्धन कार्पशाळे चे उद्घाटन मुख्याध्यापक राजेश खांडेकर यांच्या हस्ते बुधवार १३ सप्टेंबर रोजी पार पडले. अध्यक्षस्थानी गट शिक्षणाधिकारी सुभाष जाधव होते. तर प्रमुख पाहुणे म्हणून मुख्याध्यापक राजेश खांडेकर, शिक्षण विस्तार अधिकारी गुलाब उमाठे, केंद्रप्रमुख शरद भांडारकर, प्रेमा दिघोरे, हे मचंद्र भानारकर, राजेंद्र देशमुख, अलका पालवे, सीमा फेंडर, रेखा कडू, मोरघडे, तालुका समन्वपक शैलेश नांवे, प्रशिक्षक धनवे, शेंडे प्रामुख्याने उपस्थित होते.

ही कार्यशाळा विद्या प्राधिकरण, पुणे व शांतीलाल मुत्था फाऊंडेशन पुणे



तालुकास्तरीय कार्यशाळेत मार्गदर्शन करताना मान्यवर

यांच्या संयुक्त विद्यमाने संपूर्ण महाराष्ट्रात स्वराज्य संस्थांच्या शाळांमधील इयत्ता पहिली ते चौथीला शिकविणाऱ्या शिक्षकांना प्रशिक्षित करण्यात येत आहे.

सदर मूत्यवर्धन कार्यशाळेतील उपक्रम लवकरच अभ्यासक्रम बदलताना पाठ्यपुस्तकात समावेश होणार आहे. तालुका स्तरीय प्रशिक्षण मधून प्रशिक्षित झालेले शिक्षक त्यांच्या शाळेतील विद्यार्थ्यांना मूलवर्धनाचे धडे गिरवत केंद्रातील प्राथमिक शिक्षकांना ही केंद्र प्रमुखांच्या सहकार्याने चार-चार दिवसांची कार्यशाळा आयोजित करून दोन किंवा तीन टप्प्यातून प्रशिक्षण देण्यात येणार आहेत.

तरुण≗भारत

कार्यशाळेचे संचालन गट साधन केंद्राच्या विषय शिक्षिका पोटदुखे, खेळकर यांनी केले. तर आभार वाडी शाळेच्या शिक्षिका पायल निंबाळकर यांनी मानले. प्रशिक्षणाला १३ समूह साधन केंद्रातील २९ शिक्षक व १० केंद्रप्रमख उपस्थित होते.

<(तभा वृत्तसेवा)

Sun, 17 September 2017 www.readwhere.com/read//c/22641622



जिल्हा परिषदेच्या शाळेत विद्याथ्यांसाठी मूल्यवर्धन कार्यक्रम

सुट्यत् सोमवार क्वतियोः । अपलय्ती सल्पेय विद्यार्थं स प्रविच्यान लेक्डवाहिचे प्रधायकः, संबद्धनालि व्यक्ति प्रतिपत्र प्रार्थित प्रत्या प्र विलल्स परिपद् साथक जाला भाव यहाने अहास्त्र विद्या प्रतिकरण व

पूर्गच्या जांगी लाल पुवा फाउंदेवन वांगी पुवासा येतला आहे. जिल्ह्यातील पुवा तालुक्यातील एका केंद्रापतील जिल्हा परिंद

subicityen tech scatar tedenters and, an addition and additional and additional additional additional and and another missional and another additional and another additional additeditional additional additiona

Production in the series of several production from the series of the

Participation of the second se

ਸਲਜਾਣ ਕਿਹਾ ਸ਼ਾਪਿਲਾਗ ਹ ਅੰਨੀ ਨਾਲ ਸੁਹਾ ਬਮਤੇਆਰਗ ਤੁਧਲਾਮ, ਨੀਰ ਗਾਨੁਕਬਾਂਗੇ ਜਿਕਤ



जिल्हा परिपदेच्या झाळेन विद्याख्यीना अस्ताप्रकारे मूल्प्राध्वी शिक्षण दिले जाणार आहे.

राज्यात ९ लाख ३३ हजार विद्याध्यांना लाभ

ति मूल्य पर्वत कार्यक्रम राज्याच्या २० दिम्ल्याकील १०० व्यनुकायीमध्ये मार्यक्रम्ब जाणार आहे. या सन्त्रम २०१ विश्वज्ञ स्थ २ व्यन्त ३३ हजार २०१ विश्वज्ञ स्थ २ व्यन्त ३३ हजार २०१ विश्वज्ञ स्थ २ व्यन्त ३३ उस्तर

18.08.17 | Dainik Lokmat | Pune

दिरवास देवकाते : न्याय, स्वातंत्र्य, समता व बंधुतेचे धडेही देणार मूल्यवर्धन उपक्रम राबविणार

लोकमत न्यूज नेटवर्क

पणे : शालेय विद्यार्थ्यांना देण्यात र्येणाऱ्या मल्यशिक्षणाला पुरक कार्यक्रमाची मल्यवर्धन या अंमलयजावणी गेल्या वर्षापासन राज्यात प्रायोगिक स्वरुपात करण्यात येत होती. त्या कार्यक्रमाला शिक्षक. विद्यार्थ्यी. आणि पालक अधिकाऱ्यांकइन त्याला चांगला प्रतिसाद मिळाल्याचे निष्कर्ध निघाल्याने मल्यवर्धन कार्यक्रम २०१७ ते १८ या शैक्षणिक वर्षांत मंबई बगळता ३५ जिल्ह्यातील १०७ तालक्यातील जिल्हा परिषदेच्या मराठी माध्यमाच्या सर्व शाळांमध्ये रावविण्याचा निर्णय राज्य सरकारने घेतला आहे. त्यामुळे जिल्ह्यात हा उपक्रम जोशात राबविणार असल्याचे जिल्हा परिषदेचे अध्यक्ष विष्टवास देवकाते यांनी सांगितले

समाजपयोगी मूल्यशिक्षण विद्यार्थ्यांना सहज देता याये. यासाठी त्याला अभ्यासक्रमाची जोड देऊन आनंददायी वातावरणातून जिल्ह्यातील पुरंदर, शिरुर, भोर, वेल्हा, हयेली, वारामती, खेड या तालुक्यांमध्ये काही पहिले ते चौथीपर्यंतच्या प्राथमिक शाळांमध्ये हे धडे दिले जात आहेत. गट चर्चा, जोडीचर्चा, सहयोगी खेळ यासारख्या विद्यार्थी केंद्रित बालर्स्हो व आनंदवायी पद्धतीने विद्याख्यांना पूल्यशिक्षणाचे घडे या उपक्रमातून दिले जात आहेत. त्यातून विद्याख्यांमध्ये नेतृत्वक्षमता, अभिरुची, विद्याख्यांमध्ये सक्रिय भावना निर्माण करणे, मूल्ये रुजविणे ही कार्यक्रमाची वैशिष्ट्ये आहे. तालुक्यातील प्रत्येक येइंद्रातील केंद्र प्रमुख व दोन उपक्रमगरील शिक्षकांना याबाबत प्रशिक्षण देण्यात येत आहे.

- विवेक वळसे-पाटील, उपाध्यक्ष, जिल्हा परिषद

मूल्यशिक्षणाचे धडे देण्याचा उपक्रम जिल्हा परिषदेच्या शाळांमधून रावयिला जात आहे. पहिलो ते चौथीच्या विद्यार्थ्यांना या मूल्यवर्धन उपक्रमांतून न्याय, स्यातंत्र्य, समता व बंधूतेचे धडेही देण्यात वेणार आहेत.

'न्याय स्यातंत्र्य, समता, बंधुता या मल्यांची जोपासणा करणारा नागरीक शिक्षण पद्धतीतन शालेय घडविण्यासाठी हा मुल्यवर्धन कार्यक्रम रावविण्यात येत आहे. हे मल्यशिक्षणाचे धडे धेट अभ्यासक्रमाशी निगडीत करण्यात आले आहेत. अभ्यासक्रमाच्या

माध्यमातून थेट विद्यार्थ्यांनी समाजात, घरी, बाहेर व्यक्तींशी कसे वाणायचे, कोणतेही काम कसे करावे यासंदर्भात सहजशिक्षण देण्यासंदर्भात कृती पुस्तिका, कार्य पुस्तिका मुलांना देण्यात येत आहेत. शाळांमध्ये गमंतीशीर तसेच आनंददायी वातावरणातून विद्यार्थ्यांना शिक्षण कसे देता येईल यासाठी हा उपक्रम जिल्ह्यातील प्राथमिक शाळांमध्ये राययिला जात आहे.



05.08.17 | Dainik Pudhari | Pimpri |



ः पुढार्स

मूल्यवर्धन प्रशिक्षण कार्यक्रमाचे उद्घाटन करताना सभापती गुलावराव म्हाळसकर, उपसभापती शांताराम कदम, नीलेश काळे, भूषण मुथा आदी.

मावळात मूल्यवर्धन शिक्षण प्रकल्पास सुरुवात

वडगाव मावळ : वार्ताहर

महाराष्ट्र शासन व शांतीलाल मुथा फाउँडेशन पुणे यांच्या संयुक्त विद्यमाने राज्यभरात मूल्यवर्धन प्रकल्प सुरू करण्यात आला असुन, मावळ तालुक्यात या प्रकल्पांतर्गत सुरू केलेल्या प्रशिक्षण कार्यक्रमाचे उद्याप्तन नुकती करण्यात आलो.

मूल्यवर्धन कार्यक्रमाची सुरुवात मावळ तालुक्यतील दास्त्रे, बजर आणि वेयेड ओहोळ या कंद्रांमधील प्राळांमध्ये झाली असून, या प्रशिक्षण कार्यक्रमाचे उद्धाटन पंचारत समितीचे सभापती गुलाबराव म्हाळसकर व शांताराम कदम यांच्या हत्ते करण्यात आले.

न्याय, समता, स्वातंत्र्य, बंधुता ही मूल्ये मुलांमण्ये रुजवण्यासाठी हा उपक्रम सुरू करण्यात आला आहे. याद्वार विद्यार्थ्यांवर कृतीत्न संस्कार केले जातात. मूल्यांची रुजवण देखील कृतीत्नव कल्प्यात येते. सुस्वातीला तत्त्वतः मान्यता मिळालेला हा उपक्रम संपूर्ण महाराष्ट्रात सुरू करण्याचा निर्णय शिक्षणमंत्री विनोद तावडे यांनी घेतला आहे.

या उपक्रमात राज्यातील ३४ जिल्हा परिवर्ताच्या अव्यत्यारीतील इयता पहिली ते चौधी पर्यंतच्या विद्यार्थ्यांचा समावेश आसणार आहे. जिल्हा परिषदांच्या शाळांमध्ये मूल्यवर्धन उपक्रम कशा पद्धतीने पेता येदेल, याबाबत माळ्ळमधील २४ केंद्रांतून ४८ शिक्षक व १६ केंद्रांतून ४८ शिक्षक व १६ केंद्रांतून सध्या फाठोंशन प्रशिक्षण देत आहे.

कार्यक्रमाचे नियोजन गटविकास अधिकारी नौलेश काळे, मावळ तालुका मूल्यवर्थन समितीचे अध्यक्ष सूषण मुध्य, झूंबरलाल कर्णावट, विस्तार अधिकरी अहमद मोमीन, मूल्यवर्थन तालुका समन्वयक सनीषा कारहे. सचिता पार्टाल, परळेकर विद्यानिकेतनचे विश्वस्त दताज्ञ्य रेगे, मुख्याप्र्यापिका प्रतिभा चौभरी, आरती कुंडले यांनी केले. रामराख जावाळे यांनी महमंखालन केले.

My Pimpri Page No. 05 Aug 24, 2017 Powered by: erelego.com

20.08.17 | Dainik Lokmat |

Pune |





ल्ये शिवन्वली जात नाहीत, तसेव ती लावताही येत नाहीत, मक्त वातावरणातन मुले मूल्ये शोपून घेत असवात, मात्र त्यसाठी विद्याय्वीना नियोजनबद्ध संधी उपलब्ध करूम देने गरजेवे असते. या संधी दिल्पा तर मुले त्या आनंदाने स्वीकालील, वापस्तील आणि त्यांतन आयोआपत त्यांच्यामध्ये समाजतिताती मत्ये रूजतील. धा विश्वासने अणि विद्यार्थी प्रत्यक्ष करिशील अनुभवाहन चांत्रले आणि वाईट याचा निर्णय स्वतः घेऊ शकतील, हा दृष्टिकोन समोर ठेवून, महरराष्ट्रातील सामाजिक कार्यकर्ते शतिश्वाल मुख्या यांनी, २००९ सालापासन, बीड जिल्हा परिषदेखा ५०० शाखंमध्ये मुल्यवर्धन कार्यक्रमाची प्रायंगिक, चण हेत्रपूर्ती करणारी अशी अंगल्पआवणी केली. यारहती त्यांनी ठी.एठ. झालेल्क स्थानिक व्यक्तींची खालगी तिक्षक म्हणून पणरावर नियुवती केली. या शिखवर्तना वेखीवेळी मुल्यशिक्षणांचे प्रशिक्षण दिले आणि प्रत्यक्ष शाळांमधून ३५००० विद्यालयीपर्यंत, सातल्याने, विविध उपक्रमांद्वरे मुल्यवर्धन करास्वीपने पोरवविण्याधा प्रयाल कलण्यात आला. दरवर्षी अनुभवाने मुल्यवर्धन अभ्यासक्रमात आवश्यक वाटतील जसे बदलही करण्यात आले. हा



अनुभव विद्यार्थ्याच्या मुल्यवधीनाच्या विशेने, नव्याने चयले टाकल येतील असे वाटवे, इतका समर्थ होता. सहा वर्षाच्या या कालावधीमध्ये 'एनसीइआरटी', केविज यभिकसिंटी व अमेरिकेतील काम्री तज्ज्ञ यांच्याकडून या कार्यक्रमाच काय प्रभाव पडला यांचे मूल्यांकन करून घेण्यात आले. ज्या शाखनध्ये मुल्पवर्धन चाल आहे. अशा शाळांनधील विद्यार्थी व ण्या शालांमध्ये मुख्यवर्धन चालु नाही, अश शाखांगधील विद्याची असे तुलनात्मक सर्वेक्षन उपक्रमाच्या सुरुवतीला व शेवटी करण्यात आले. मूल्यवर्धन चालु असलेल्य श्वळांच्या विद्यध्वयीनध्ये आमलाग्र बचल चठरुपाचे, तीनही संस्थांच्या निष्कर्षातन आदलन आले.

त्रलेख या संस्थांनी आपल्या आज्यालांडन या कार्यक्रमाला आणसी प्रभावी करण्यसाठी कारी





शिकारशीरी केल्या, ज्यांच्या आधारे, कार्यक्रमात रहधारणा कारण्यात आण्य

भारततील नागरिकांना मुख्यांचा खप मोठा वारसा कजगाटनेने दिला आहे. शांतिलाल मुख्या पराउण्डेशनने नव्याने आखलेल्या मूल्यवर्धन कार्यक्रमाधारी हा गामा आहे. भारताच्या राज्यपाटनेतील न्याय, स्थातंत्र्य, लामता, बंधता ही मल्ये विद्याध्यांभध्ये रुजविण्यासाठी इयता पहिलीपासूनच विद्यमर्थाना त्यांच्या वयोगटानुसार व आकलनशकतिनुसार संधी उपलब्ध कमान वेणे, हा या कार्यक्रमाच्च हेनू आहे. शिक्षण सक्त काण्डव २९(२) मध्ये भारताच्या राज्य पटनेतील मल्पे विद्यपद्यीमध्ये इपना पहिलीपासन वालरनेही, आनंददायी आणि भीतीमुक्त वातावरणात रुजापी असे महले आहे. वस्तविवां पाहता, २००५ रवलया 'राष्ट्रीय अभ्यासकम आराखरा' तसेच महाराष्ट्र রতবার্তা ২০৭০ বালেয়া অপ্যালক্ষণ এরেরায়া यांमधून ही सर्व घटनात्मक मुल्ये रूपविष्याचा प्रयत्न वेथे आणि राज्य सरकार करीतच आहेत. याच प्रयत्नांना पुरक अस्त बदल, नय्या मुल्यवर्धन कार्यक्रमात करून विद्यार्थ्यांना विविध उपक्षमांद्वारे. प्रत्यक्ष अनुभव घेऊन तसेच ज्ञानरचनावादी अध्ययन पद्धतीधा जपयोग करूल, मुले मुल्यांशी जवळीक सायलत, विद्यार्थिकेंद्रित सिक्षणपद्धतीमधन जोतीयची गटचर्चा, सहयोगी खेळ, सहयोगी रचना अशा नतीन संकल्पनांधा कपर करून मुख्यतः आनंदमय अनुभवांकरवी, मुख्ये रूणविज्याच्या संधी रापलब्ध करूपन दिल्पा प्रातात.

शांतिताल मुध्धा फाउपडेफानने, आपल्या सहा वर्षाच्या प्रवीर्घ अनुभवनितर व सम्द्रीय आणि आंतरराष्ट्रीय संस्थाच्या शिकारशीयर आधारित मुल्यवर्धनद्या संधारित आवराज्य २०९५मध्ये तयार केला. महाराष्ट्र सरकारने मूल्यवर्धनवा सुधारित अलाखाय, विश्वाक उपक्रम परितका, विद्यार्थी उपक्रम प्रसितका, शिक्षक मार्गदर्शक प्रसितका या सर्व संखावे, तज्ज्ञ व्यवतीमार्थत अवलोकन व निरीक्षण करून. त्यांगध्ये आवश्यक ते बदल सुचवून मूल्यवर्धन स 'महाराष्ट्र शासनाचा कार्यक्रम' म्हणून स्वीकारला. त्याचवरोवर साल या कार्यक्रमासाठी तयार केलेल्या. मल्यवर्धन आरख्या व कती परितकांना मंजरी वेण्यात अली. मागील वर्षभरत महात्मदाच्या ३४ जिल्ह्यातील ६३ तेथ्वांमध्ये ३७००० विद्यारवीपर्यंत, राज्य शासनाने

लोकमत

कुठलीही जोरजबरदस्ती करून मुल्यशिक्षण देता येत नाही. त्यासाठी हवं मुक्त वातावरण आणि संधी. हाच दृष्टिकोन समोर ठेवन शांतिलाल मुथ्या फाउण्डेशननं मुल्यवर्धन कार्यक्रमाची आखणी केली. नवनवीन संकल्पनांचा वापर केला, या बालस्रेही प्रयोगानं असंख्य शाळांमधील हजारो विद्यार्थी मुल्यशिक्षणाचे घडे स्यतः हन गिरयताहेत.

मुल्याशक्षणाचा आनंदी आणि कृतिशील



प्रयोग देशभरात नेण्याचे स्वप्न

मुल्यवर्धन कार्यक्रमाधी जपदक्तता हेरून, या वर्षाच्या सरुवातीलाच मुख्यमंत्र्यांनी मुख्यवर्धनराज दिल्लावची धांपलीच तयारी केली आहे. ५०७ तालुक्यतील २० हजार शासंमधील ९० लाख विद्यध्यपितं मुख्यवर्धन येजन जाण्याचा निर्णय महाराष्ट्र शासनाने घेतला. मरुवमंत्र्यांनी स्वतः पाच मिनिटांधी विजनीत तयार करूल, मुल्यवर्धनदी संवरूपना व उपयोगिता जनतेसमोर मांडली. येत्या योग वर्षत माल्लान्द्रातील सर्व शाळांमध्ये मुल्पवर्धन चेऊन जाण्याचा धोरणात्मक निर्णय मुख्यमंत्र्यांनी जाहीर केला आहे. तलेख हा प्रयोग महाराष्ट्रात यशस्वी करून देशभरता घेऊन आण्याते स्वप्नही त्यांभी, या विश्वकितीमध्ये व्यक्त केले आहे, या १०७ तालुक्यांत मागपूर, पुणे, मंदुरबार व सिंधुदुर्ग या चार जिल्ह्यातील सर्व तालुके समाविष्ट करण्यात आले असन, उवंदित जिलावतील १-२-३ अश तालक्यांचा समावेश करण्यात आला आहे.

स उपयुक्त कार्यक्रम प्रोडवविला आहे. या वर्षभरात, विद्या प्रधिकरण व शांतिलाल मुख्या फाउण्डेशन थांनी संयुक्तपणे, तपक्का व्यक्तीच्या नियुक्तया करूल, दोन वेळा सर्व जिल्ह्यांमध्ये मल्पवर्धन कार्यक्रमाध्य अंमलबजावणीचे अवलोकन करण्यात आले. शांतिलाल मुख्या यांनी रचतः सर्वप्रया सर्व, मध्यप्रे ३४ जिल्ल्यांचा वैरु करून अपल्यां निरीक्षणांचा आणि अनुभवांचा

स्थतंत्र अहवालही प्रसिद्ध केला आहे.

काही जिल्ल्यांत दिखकांनी मुल्यवर्धन उपक्रम परितकांच्या स्वरक्षयांने फोटोप्रति काढून, केंव्रातील इतर शाखांमध्ये स्वप्रेसोने मुल्यवर्धन कार्यक्रम सुरस केल्याचे विसुन आले. मुल्यकांनचे उपक्रम हे सध्या तनी इयल पहिली ते चीथींत्सकी तयार करण्यात आले असले, तरी अनेक शिक्षकांनी मल्यवधेनच्या संकल्पनांता वापर इयला पाचवी ते अठवीपर्यंत तलेच इतर विषय शिकवताना, यशस्त्रीपणे केल्याचे दिस्हन आले. त्रणे जिल्ह्यातील आदिवालीबहल भागामध्ये मावातील खोळांनी स्वतः लोकवर्गमीदन मावातील शाळेला आतून व बाहेरून चक्ता मूल्यवर्धनवा विशिष्ट असा रंग डिल्याचे दिसन आले.

नांदेड जिल्ह्यातील उर्द माध्यमाच्या प्रया शिक्षकांनी मूल्यवर्धनचे मराठीत प्रशिक्षण घेतले आहे. त्यांनी मूल्यवर्धन उपक्रमांचे उर्दुमध्ये भागांतर करूल, स्वतः उर्दु शाळेतील मुलांकपून कृती करून घेतल्या आहेत. हे सर्व पाहून मूल्यवर्धन उर्दू भाषेत असण्याची गरज, नांदेड येथील शिक्षक भी, आवरल कांदीर योगी लक्षात घेतली आणि मूल्यवर्धन उपक्रम पुरितका व भार्णदर्शक पुस्तिकांचे उर्दुमध्ये भाषांतर केले. श्री, कादीर यांनी केलेले उर्दूचे भाषांतर पाहुन, त्यांना पुणे येथे जामंत्रित करून संपूर्ण मूल्यवर्धन उपक्रमातील प्रत्येक इयलेसाठी शिक्षक उपक्रम पुरितका, विद्याची वयक्रम पुस्तिका तसेच शिक्षक संघर्भ पुस्तिका या सर्वाचे उद्दे भाषांतर त्यांचेकजून करवून घेऊन, ते विद्य प्राधिकरणकानून मंजूर करून घेण्यात येत आहे. तसेच हे सर्व साहित्य इंग्रजीतही अनुवादित करण्यात आले आहे. म्हणजेव आहा संपूर्ण महाराष्ट्रातील महाती, उर्द व इंडजी मध्यमाच्या शाळांसाठी मूल्यवर्धन सज्ज झाले आहे. शांतिलाल मुध्धा यांनी यावर्षीच्या अंगलबजावनीयां कृती आराखता तयार करूल, कार्यक्रमाला काटेकोर अशा तंत्रवचनाची जोठ दिली. आहे

गेली सात वर्षे बीड जिल्ह्यात मूल्यवर्धन कार्यक्रमासाठी सतत कार्य करीत असलेल्या खासगी शिक्षकांना, यासंदर्भातील प्रशिक्षण वेऊन संदर्श महाराष्ट्रातील १०४ तालुक्यांमध्ये चलकण्यात आले आहे. याची संपूर्ण बांधणी व आखणी तंत्रज्ञनावर आधारित करण्यात आली अखुन, मोबाइल ॲपमध्ये 'सेल्फ लर्निन मोत्रधुल'ची सोय करण्यात आली आहे. एकीकठे जिल्हा परिषदेच्या शाळा रचनावांदी आणि त्याचबरोबर डिजिटल होत चालल्या आहेत व दसरीकडे मुल्यवर्धनचे 'लेलफ लर्गिंग मोजवल' या योघांचा संगम होउल आस, सिक्षकांच्या सताली आले आहे.

पुढील पिढी सुशिकित, सुसंस्कृत व मुख्यनिष्ठ होईल, अभी मला आशा वाटव आहे. मी गेली धार वर्षे वा कामी औ, शांतिलाल मुख्या यांग सर्वतीपरी सहकार्य करीत आहे. झानप्रबोधिनीने या कार्यक्रमाचे पायामूत सर्वेक्षण केले असून, संहदेधन, अनुमंद व नेटके नियोजन यांवर आधारित असा हा कार्यक्रम, संपूर्ण वेशाला वरवान ठोल असा मला विश्वास वाटली, वाचे एक कारण असेही आहे की, महाराष्ट्रावाहेर मोमंतक राज्यतही हा कार्यक्रम रुजू लागला आहे

मल्यवर्धन ही अल्पवचीन मुलांगध्ये ज्या काक्षल त्यांच्या मेद वेगाने विकसित होत असतो, ज्या वयात नव्या गोही शिकण्याच्या जर्म्नी प्रखर असतात आणि ज्या वयत नेमकेरणाने मूल्ये रूज् शकतात, त्याच वयात त्यांना भूल्यवर्धनच्या आगंदी व कतिलील संधी प्राप्त होत आहेत. त्याचे स्वागतच केले प्रक्रिजे.

(लेखक नामवंद तिक्षणतज्ञ उदयि,)

10.09.17 | Dainik Lokmat | Pune |

लोकमत

पुरंदरमध्ये मूल्यवर्धन कार्यक्रमास सुरुवात जि. प. शिक्षकांना चार दिवसांचे प्रशिक्षण

लोकमत न्यूज नेटवर्क

खळद : शालेय विद्यार्थ्यांना देण्यात येणाचा मूल्यशिक्षणाला पूरक मूल्यवर्धन कार्वक्रम महाराष्ट्र शासन व शांतिलाल मुखा फाउंडेशन यांच्या संयुक्त विद्यापाने राज्यभर सुरू करण्यात आला आहे. या उपक्रमानुसार पुरंदर तालुक्यातून निवडलेल्या जि. प. शिक्षकांची चारदिवसीय प्रशिक्षण विद्यालय शिवरी येथे पार पडली.

या प्रशिक्षण कार्यशाळेस पं. स. सदस्या सुनीता कोलते, सोनाली कदम, गदशिक्षणाधिकारी आर. एम. लॉवे. शिक्षण विस्तार अधिकारी पी. एस. भेषाणे, मुल्यवर्थन कार्यक्रम कमिटी जिल्हाच्यक्ष रमेश नवलखा, महात्मा ज्योतिराव फुले विद्यालयाचे प्राचार्य शहाजी कोळेकर, मच्छिंद्र जाधव, नवनाव वोरावके दत्ता राऊत, नंदू नरते, नीलेश बाकले, दीपक नाझीरकर यांनी भेट देऊन मार्पदर्गन केले.



रिावरी येथे मूल्यवर्धन कार्यराळित उपक्रमाची माहिती घेताना शिक्षक.

मूल्यांची आजच्या काळात खूप गरज आहे. न्याय, स्वातंत्र्य, समता व वंधूता या मूल्यांचे संस्कार विद्यार्थ्यायर शालेव जीवनात होण्याला खूप महत्व आहे आणि ते संस्कार करण्याची जवावदारी आपण शिक्षकांची असल्याचे सांगत मूल्येही लादली जात नाहौत ये ती शिक्षकांची जात नाहौत. त्यांचा स्वीकार हा स्वतः करावा लागतो. त्यासाठो त्यासंवंधीच्या संधी शालेयस्तरावर उपलव्ध करुन दिल्या, मुलांना प्रत्येक गोष्टीचा प्रत्यक्ष अनुभव चेता आला, त्यांच्या विचारांना चालना मिळाली, योग्य व अयोग्य या गोष्टीत ते फरक समजू शकते तर विद्यार्थ्रमाभ्ये मृत्यांची रुजवणुक होण्यास मदत होईल, असे गटशिक्षणाधिकारी लॉढे यांनी सांगितले.

हा उपक्रम महाराष्ट्र राज्यातील ३५ जिल्ह्यांतील १०७ तालक्यांत १६१८ केंद्रामधील १८५७२ शाळेचे शिक्षक च ९.३३.६७१ विद्यार्थ्यापर्यंत पोहोचविण्याचा निर्णय महाराष्ट शासनाने घेतलेला आहे. इ. १ ली ते ४ धीच्या विद्यार्थ्यांना समाजपयोगी मल्यशिक्षण सहज देता यावे. यासाठी त्याला अभ्यासक्रमाची जोड देऊन आनंददायी वातावरणातन मुल्यशिक्षणाचे धडे देण्याचा उपक्रम जिल्हा परिषदेच्या शाळांमधन रावचिला जात आहे मल्यशिक्षणाचे धडे थेट शालेय अभ्यासकमाशी निगडित करण्यात आलेले आहेत

मूल्यवर्धन तालुका समन्ययक दौपक गर्जे यांनी सूत्रसंचालन केले, मूल्यवर्धन तालुका कमिटी अध्यक्ष गिरीश कर्णावट यांनी आभार मानले.

Helio Pune Gramin Page No. 3 Sep 10, 2017 Powered by: erelego.com 10.09.17 | Lokmat Samachar | Pune |

> सिंदाक्षेत्र /स्थानीय किसान हाईस्कूल में महाराष्ट्र शासन प्रवित्ताल मुखा फाउडेरान के संयुक्त तलावधान एव पातिताला उना माठनाम मा राउवा तिवानमा में चार दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का उद्यादन म जार विवरणाम अस्तवन जनमारित जन जर्मातर मुल्यवर्धन शिक्षण समिति के जिलाध्यक्ष हरकचंद बोरा र प्रभवत् । मार्ग्यतं गार्ग्याः नः । गर्गाः न्य छत्य नः वर्णे के हाथों सरस्वती प्रतिमा पूजन कर किया गया। इस मा होना मार्टिया आजा रेजा का जिल्ला का जा का अन्यते तः मनुवनं जातान् नः पारं तः तान्यतं भाषात् अध्यात् अत्र्यम् प्रा. चंद्रकृतं खगा, सदस्य विजय दुभाइ थे। भारतका माः भारतकाः जन्मः प्रमुख मानम् अन्यत् मु मुत्तवर्षमं शिक्षणं के जितां समन्त्रवक एस. पी. निकुंभे र्वे वनका गावा का गणना का नवका स्टा. भाः गावन में ने प्रास्ताविक में, मूल्यवर्धन शिक्षण की जानकारी देते हुवा कहा कि राज्यपटना में जो मूल्य दिये हैं, उन्हें शालेय हुआ जला का प्रभवन्वद्वा जे जा रहिन गर्भ छ जाव प्रभाव शिक्षा में कहा 1 से उम्रपुट नुसार संस्कारित करने का हरावा म कवा र त ज्यपुट उत्तार तत्वनार कर्णार कर क प्रयास नियोजित उपक्रमों के माध्यम से आनंदवायी र कार्य मार्थमार्थ कार्यमा के जानक के ज पश्चात स संस्थातत । मनर जात का रताराज्य जाता के की सभी 16 जिलापरियद की केंद्र शाला के केंद्र मा जमा १७ म्यानम् मा मन पान मा मा प्रमुख एवं २ शिक्षक ऐसे ४४ प्रशिक्षणार्थी को प्रशिक्षित भारत एव ४ विषयत एव के भारत मात्र के भारत भारत के भ मित्रमा आपरणा भए जा भए जानमा जानमा पारण न ज उप म आयोजित करेंगे। उसके बाद अन्य शिक्षको को जा म जाताजात करता जाता जात जात जाता कर दो दिन का तहसीलस्तरीय प्रशिक्षण लेकर वे चरणो भे प्रत्य का माणाताता कारणव कारणव कारणव के माणा में मुल्यवर्धन शिक्षक कार्यशाला लेकर प्रशिक्षित करेंगे। म प्रत्यवयम् । तावाकः मानसात्मा ताकरः आत्मावानं मारमा मास्टर् हेनरं दिलीप माली ने कहा, मृत्यवर्धनं का येश मार्थ्य हरे (१९४४ मार्ग्य मार्ग्य में मार्ग्य, १८ मनमा मां भा मैंसे मैंसे मिलता गया नैसे उसकी व्यापकता बढ़ाई गई। जिला समिति अच्यन हरकचंद बोरा, भालचंद्र पाटिल, विजय दुगाइ ने मनोगत व्यक्त किये। जिला समन्ययक एस. पी. निकुंभे ने आभार माना।

कायशाला का उद्घाटन

18.08.17 | Maharashtra Times | Pune |

आनंदात घ्या मूल्यशिक्षण जिल्हा परिषदेच्या शाळांमध्ये पहिले ते चौथीपर्यंतच्या वर्गात प्रायोगिक उपक्रम

म. टा. प्रतिनिधी, पुणे

समाजपयोगी मूल्यशिक्षण विद्यार्थ्यांना सहज देता यावे पासाठी त्याला अभ्यासकमाची जोड देऊन आनंददायी वातावरणातन मल्यसिक्षणाचे घडे देण्याचा उपक्रम जिल्हा परिषदेच्या शाळांमधून रावविला जात आहे. पहिली ते चौधीच्या विद्याध्यांना या मूल्यवर्धन उपक्रमांतून न्याय, स्वातंत्र्य, समता व बंधुतेचे घडेही देण्यात येणार आहेत.



शालेय विद्यार्थ्यांना देण्यात येणाऱ्या मुल्वरिक्षणाला पुरक मुल्वकर्धन या कार्यक्रमाची अंमलबजवणी गेल्या वर्षांपासन राज्यात प्रायोगिक स्वरुपात ज्ञाळांमध्ये केली जात आहे.



करण्यात येत होती, त्या कार्यक्रमाला शिश्वक, विद्याची, पालक आणि अधिकाऱ्यांकडून त्याला चांगला प्रतिसाद विळाल्याचे निष्कर्ष काडण्यात आले. त्यामळे मल्यवर्धन कार्यक्रम २०१७ वे १८ या शैक्षणिक वर्षात मुंबई वगळता ३५ जिल्ह्यातील १०७ तालक्यातील जिल्ला परिषदेच्या मराती माध्यमाच्या सर्व शाळांमध्ये रावविण्याचा निर्णय राज्य मरकारने घेतला. त्याची अंमलबजावणी

याबाबत माहिती देताना जिल्हा देण्यासंदर्भात कृती पुस्तिका, कार्य पुस्तिका हा मूल्यवर्धन कार्यक्रम राबविज्यात जात आहे." येत आहे. हे मूल्यशिक्षणाचे घडे चेट

शिक्षणपद्धतीतन घडविण्यासाठी हा मुल्यवर्धन कार्यक्रम राषविण्यात येत आहे. त्या संदर्भातील सहजशिक्षण देण्यासंदर्भांत कृती पुस्तिका, कार्य पस्तिका मलांना देण्यात येत आहेत. मुलांना आवडेल, आनंद होईल अशा पद्धतीने हा अभ्यासकम शाळांमध्ये रावविण्यात येत आहे. - विश्वासराव देवकाते, अध्यक्ष, जिल्हा परिषद, पुणे

न्याय स्वातंत्र्य, समता, बंधुता या मूल्यांची

जोपासना करणारा नागरिक शालेय

गटचर्चा, जोडीचर्चा, सहयोगी खेळ यासारख्या विद्यार्थी केंद्रित बालरनेही व आनंददायी पद्धतीने विद्यार्थ्यांना मुल्यशिक्षणाचे धडे या उपक्रमातून दिले जात आहेत. त्यासाठी शिक्षकाना प्रशिक्षणही देण्यात येत आहे.

- विवेक वळसे पार्टील. उपाध्यक्ष, जिल्हा परिषद, पुणे

परिपदेचे अध्यक्ष विश्वासराव देवकाते मलांना देवयात येत आहेत. शाळांमध्ये मतणाले, 'न्याय स्वातंत्र्य, समता, बंधता तसेच आनंददायी वातावरणातून विद्याध्यांना या मुल्यांची जोपासना करणारा नागरिक शिक्षण कसे देता येईल यासाठी हा उपक्रम शालेय शिक्षणपद्धतीतून पढविण्यासाठी जिल्ह्यातील प्रायमिक शाळांमध्ये रावविला

जिल्हा परिषदेचे उपाध्यक्ष व शिक्षण अभ्यासक्रमाशी निगडित करण्यात आले समितीचे सभापती विवेक वळसे पाटील आहेत. अभ्यासक्रमाच्या माध्यमातन थेट मरणाले, 'गटचर्चा, जोडीचर्चा, सहयोगी विद्याध्यांनी समाजात, घरी, बाहेर, मोठ्या, खेळ यासारख्या विद्यार्थी केंद्रित भालस्नेती आत पुणे जिल्हा परिषदेच्या प्राथमिक व्यक्तींशी कसे बागायचे, कोणतेही काम व आनंददायी पदातीने विद्यार्थ्यांना कसे करावे या संदर्भात साइजशिक्षण माल्यशिक्षणाचे धडे या उपक्रमातन

दिले जात आहेत. त्यातून विद्याध्यांमध्ये नेतत्वसमता, अभिरूची, संघभावना निर्माण करणे, मूल्ये रुजविणे ही कार्यक्रमाची वैशिष्ट्ये आहेत.''तालक्यातील प्रत्येक केंद्रातील केंद्र प्रमुख व दोन उपक्रमशील शिक्षकांना याबाबत प्रशिक्षण देण्यात येत आहे. त्यानंतर आखावा घेण्यात येतो. पणे जिल्ह्यातील भोर, वेल्हा, हवेली, पुरंदर, शिरूर, बारामती, खेड या तालक्यांमध्ये काही पहिले ते चौधीपर्यंतच्या प्राथमिक शाळांमध्ये हे धडे दिले जात आहेत.' असेही वळमे पार्टील बांनी स्पष्ट केले.

The decisions you make are a choice of values that reflect your life in every way.

-Alice Waters



Maharashtra Vidya Pradhikaran 708, R.B. Kumthekar Road, Perugate, Sadashiv Peth, Pune 411 030 Maharashtra, India

SHANTILAL MUTTHA FOUNDATION

Level 8, Muttha Chambers II. Senapati Bapat Road, Pune 411 016 | Maharashtra, India Phone : 020 6605 0000 | Fax : 020 6605 0191